web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 12 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 135

अंतर्राष्ट्रीय

पेरिस में आपका स्वागत, मेरे दोस्त', प्रधानमंत्री मोदी के पेरिस पहुंचने पर बोले इमैनुएल मैक्रों

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेरिस आगमन पर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने खुशी व्यक्त की। इस संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, पेरिस में आपका स्वागत है, मेरे दोस्त नरेंद्र मोदी। आपसे मिलकर अच्छा लगा। एआई एक्शन समिट के लिए हमारे सभी भागीदारों का स्वागत है। चलिए अब काम पर लगते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एआई सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेरिस एयरपोर्ट पर पहुंचे ही उनका भव्य स्वागत किया गया। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्शन समिट 2025 के तीसरे संस्करण की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस एआई सम्मेलन का आयोजन 11 फरवरी को ग्रैंड पैलेस में किया जाएगा। इससे पहले इस तरह का सम्मेलन ब्रिटेन और साउथ अफ्रीका में भी किया जा चुका है। फ्रांस सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मान देने के लिए एलिसी पैलेस में रात्रिभोज का भी आयोजन किया था। एलिसी पैलेस में पहुंचते ही फ्रांस के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मेलन के दौरान शीर्ष नेतृत्व के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा करेंगे। इस खास मौके पर वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी नया आकार देने की रूपरेखा निर्धारित की जाएगी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा का महत्व फ्रांस द्वारा गर्मजोशी से स्वागत से साफ झलकता है। हवाई अड्डे पर फ्रांस के सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने उनका स्वागत किया।

अब ब्रिटेन भी ट्रंप की राह पर, 19 हजार प्रवासी किए बाहर; देश भर में मारे जा रहे छापे

लंदन। अमेरिका ने हाल ही में कई देशों के अवैध प्रवासियों को बाहर निकाला है। अब ट्रंप जैसा ही ऐक्शन ब्रिटेन में भी शुरू हुआ है। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद से करीब 19000 अवैध प्रवासियों और अपराधियों को देश से बाहर कर गया है। इन लोगों को डिपोर्ट करने का एक वीडियो भी ब्रिटिश सरकार की ओर से जारी किया गया है। पूरे देश में ही अवैध प्रवासियों के खिलाफ यह अभियान चलाया गया है। इसके लिए छापेमारी की गई है, जिसमें बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी पाए गए। इस अभियान के तहत भारतीय रेस्तरां, नेल बार, स्टोर और कार वॉश में छापेमारी की गई है। इनमें बड़ी संख्या में अवैध प्रवासियों को काम पर रखे जाने की शिकायतें मिली थीं। ब्रिटिश होम मिनिस्टर ने कहा कि उनके विभाग ने जनवरी में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद से कुल 19000 लोगों को डिपोर्ट किया गया है। जनवरी महीने में ही 828 परिसरों पर रेड मारी गई है और 609 लोगों को गिरफ्तार किया गया। बीते साल की जनवरी के मुकाबले यह 73 फीसदी ज्यादा नंबर था। 7 लोगों को तो अकेले हंबरसाइड स्थित भारतीय रेस्तरां में छापा मारकर अरेस्ट किया गया। इसके अलावा 4 को हिरासत में लिया गया है।

सऊदी अरब का बड़ा फैसला, हज में बच्चों को ले जाने पर लगाया बैन, 14 देशों के लिए बदले वीजा नियम

सऊदी। हज यात्रा को लेकर सऊदी अरब ने बड़ा फैसला किया है। सऊदी अरब के नए फैसले के मुताबिक अब बच्चों की हज में एंट्री बैन कर दी गई है। सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि हज के दौरान हर साल बढ़ती भीड़ को लेकर ये फैसला लिया गया है। मंत्रालय का कहना है कि 2025 में उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो पहली बार हज करने आए हैं। बच्चों पर बैन भी इसी वजह से लगाया है कि उन्हें भीड़ भाड़ में होने वाली परेशानी से बचाया जा सके। हज 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए गए हैं। सऊदी अरब के नागरिक और वहां रहने वाले के जरिए या ऑफिशियल ऑनलाइन पोर्टल के जरिए अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। आवेदकों को अपनी जानकारी सत्यापित कराने के साथ ही उनके साथ यात्रा करने वाले का भी पंजीकृत करना होगा। सऊदी अरब के नए वीजा नियमों से अल्जीरिया, बांग्लादेश, मिस्र, इथोपिया, भारत, इंडोनेशिया, इराक, जॉर्डन, मोरक्को, नाइजीरिया, पाकिस्तान, सूडान, ट्यूनीशिया और यमन पर देश प्रभावित होंगे।

महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ के पार, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि पर बन सकता है नया रिकॉर्ड

महाकुंभ नगर । आरएनएस

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर पर पहुंच गया है, जिसकी महाकुंभ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी।

सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुंभ का आयोजन हो रहा है, वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। उनका यह आंकलन महाकुंभ के समापन से 15 दिन पहले ही सच साबित हो गया। मंगलवार की सुबह 8 बजे ही महाकुंभ में 45 करोड़ स्नानार्थियों की संख्या पार हो गई।

मंगलवार को सुबह 8 बजे तक करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई, जिसके साथ ही महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ पार हो गई। अभी महाकुंभ को 15 दिन और दो महत्वपूर्ण स्नान पर्व शेष हैं। पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50-55 करोड़ के ऊपर जा सकती है।

प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों, करोड़ों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं।

बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर्व के बाद भी श्रद्धा का जबरदस्त उत्साह लोगों को संगम तट तक खींचकर ला रहा है। मंगलवार को सुबह 8 बजे तक 49.68 लाख लोगों ने त्रिवेणी में स्नान किया। इसके बाद कुल स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ के ऊपर पहुंच गई। स्नानार्थियों में 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश-विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे।

यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ से ज्यादा और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई। इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी।

माघ पूर्णिमा से पहले भी प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम तट पर पवित्र स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं, महाशिवरात्रि पर भी लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को होना है।

महाकुंभ से लौट रही श्रद्धालुओं की बस एमपी में भीषण हादसे की शिकार, ट्रक के साथ टक्कर में 7 की मौत

जबलपुर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में आज सुबह एक दर्दनाक सडक़ हादसे में सात लोगों की जान चली गई। हादसा सिहोरा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (एनच-30) पर मोहला बरगी के निकट हुआ, जहां प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक मिनी बस और एक ट्रक की टक्कर हो गई।

पुलिस के अनुसार, दुर्घटना मंगलवार सुबह हुई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मिनी बस में सवार सभी श्रद्धालु आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे और हाल ही में प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करके अपने घर लौट रहे थे।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंची। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है, जबकि मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। जबलपुर के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में है और आगे की कार्रवाई जारी है।

चार पीढ़ियों संग महाकुंभ पहुंचे मुकेश अंबानी, संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज । आरएनएस

देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने महाकुंभ में स्नान किया, उनके साथ उनकी चार पीढ़िया भी कुंभ नगरी पहुंची। उनकी मां कोकिला बेन, बेटा-बहू आकाश व श्लोका और अनंत व राधिका के साथ मुकेश अंबानी के पोते-पोती पृथ्वी व वेदा भी प्रयागराज पहुंचे। संगम में डुबकी के बाद अंबानी परिवार ने निरंजनी अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानन्द गिरी जी महाराज की उपस्थिती में मां गंगा की पूजा अर्चना की। त्रिवेणी में स्नान के बाद अंबानी परिवार महाकुंभ में बने परमार्थ निकेतन आश्रम पहुंचा। परिवार ने आश्रम में सफाईकर्मियों, बोट चालाने वालों व तीर्थयात्रियों को मिठाई बांटी। परिवार के सदस्य तीर्थयात्रियों को भोजन परोसते भी दिखे। बताते चलें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, परमार्थ निकेतन आश्रम, शारदा पीठ मठ ट्रस्ट द्वारका, श्री शंकराचार्य उत्सव सेवालय फाउंडेशन, निरंजनी अखाड़ा और प्रभु प्रेमी संघ चैरिटेबल ट्रस्ट सहित प्रसिद्ध आध्यात्मिक संगठनों के साथ मिलकर कुंभ में अन्न सेवा कर रही है। अंबानी परिवार ने बोट-चालकों को उनकी व तीर्थयाकत्रियों की सुरक्षा के लिए लाइफ जैकेट भी दिए।

बहराइच : तेज रफ्तार डंपर ने मारी कार को टक्कर, 5 लोगों की मौत

बहराइच । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के बहराइच के कैसरगंज थाना क्षेत्र के करीम बेहड़ गांव के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने कार में टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार सेना के जवान, उनकी पत्नी, माता-पिता और बच्चे समेत 5 लोगों की मौत हो गई।

इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा।

जानकारी के अनुसार, जवान छुट्टी पर घर आए थे और वह अपने माता-पिता, पत्नी और बच्चों के साथ लखनऊ इलाज के लिए जा रहे थे। यह हादसा हाईवे पर हुआ, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में हुए सडक़ हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

इससे पहले 28 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में गूगल मैप के कारण दो कारें दुर्घटनाग्रस्त हो गई थीं। गनीमत यह रही कि एयरबैग खुलने के चलते बड़ा हादसा टल गया था, लेकिन दोनों कारों में सवार कई लोग घायल हो गए थे।

जानकारी के अनुसार, बरेली के रहने वाले कुछ युवक मथुरा-वृंदावन घूमने के लिए अपनी कारों से निकले थे। वे गूगल मैप को देखकर जा रहे थे। रास्ते में मथुरा-बरेली हाईवे पर थाना कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के वाहनपुर गांव के पास स्थित निर्माणाधीन मथुरा-बरेली हाईवे का काम पूरा नहीं हुआ था।

इतना ही नहीं, हाईवे पर डायवर्सन और चेतावनी के लिए कोई बोर्ड भी नहीं लगा था।

दोनों कारें जैसे ही निर्माणाधीन मथुरा-बरेली हाईवे पर पहुंचीं, तो वह रास्ते में मौजूद गड्ढों में आकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थीं। हालांकि, कार के एयरबैग के सही समय पर खुलने के चलते बड़ा हादसा होने से टल गया था।

आंध्र प्रदेश : इंजीनियरिंग छात्रा से बलात्कार और ब्लैकमेल करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

विजयवाड़ा । आरएनएस

आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले में पुलिस ने सोमवार को एक इंजीनियरिंग छात्रा से बलात्कार और ब्लैकमेल करने के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बीटेक की छात्रा द्वारा नंदीगामा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। जिसके बाद पुलिस द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता परिटाला के एक छात्रावास में रहती थी और एनटीआर जिले के कांचीकाचेरला स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज में द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थी।

हिरासत में भेजे गए लोगों में शेख गली सईदा, शेख हुसैन और चिंतला प्रभु कुमार शामिल हैं।

लडक़ी अपने दोस्त प्रभु कुमार के बहुत करीब थी और वे अक्सर रेस्तरां में जाते थे। प्रभु कुमार ने हाल ही में अपने दोस्त हुसैन को लडक़ी से मिलवाया। कुछ दिनों के बाद हुसैन ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया और उसे लंच पर बाहर ले गया।

उसी क्षेत्र में रहने वाले सईदा ने लडक़ी से दोस्ती की और उसे बताया कि हुसैन और प्रभु बुरे चरित्र के हैं तथा उसे उनसे दूर रहना चाहिए।

सईदा ने 12 जनवरी को लडक़ी को अपने घर पर एक समारोह में बुलाया था। जब लडक़ी उसके घर पहुंची तो वह अकेला था। उसने लडक़ी का यौन शोषण किया और उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो बना लिए। बाद में उसने इसे हुसैन और प्रभु के साथ साझा किया।

अश्लील वीडियो और तस्वीरों का इस्तेमाल करते हुए हुसैन और प्रभु ने लडक़ी को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और यौन संबंधों की मांग की। ब्लैकमेल बर्दाश्त न कर पाने पर लडक़ी ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

उसके बयान के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तीनों आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें दो सप्ताह की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जब तक न कहें, ईवीएम डेटा नष्ट न करें... चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली । आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी करते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में सुरक्षित रखे गए चुनावी डेटा को अभी नष्ट न किया जाए। अदालत ने यह आदेश चुनाव के बाद ईवीएम सत्यापन से संबंधित एक मामले की सुनवाई के दौरान दिया।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनाव आयोग से कहा कि ईवीएम से किसी भी प्रकार का डेटा न हटाया जाए और न ही उसमें कोई नया डेटा रीलोड किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग से मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के बाद ईवीएम के लिए मानक संचालन प्रक्रिया के बारे में जानकारी मांगी है। अब चुनाव आयोग को अदालत को यह बताना होगा कि चुनाव के बाद ईवीएम मेमोरी और माइक्रोकंट्रोलर को जलाने की प्रक्रिया क्या है। याचिका में मांग की गई थी कि मतगणना पूरी होने के बाद भी मशीनों से डेटा को नष्ट न किया जाए।

जस्टिस खन्ना ने सुनवाई के दौरान कहा कि यह प्रक्रिया विरोधात्मक नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कोई पराजित उम्मीदवार ईवीएम की विश्वसनीयता पर स्पष्टीकरण चाहता है, तो इंजीनियर यह स्पष्ट कर सकते हैं कि ईवीएम के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि ईवीएम की जली हुई मेमोरी और माइक्रोकंट्रोलर की जांच पेशेवर इंजीनियरों से कराई जाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ईवीएम से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं हुई है।

एआई बदल रहा हमारी जिंदगी, पेरिस समिट में पीएम मोदी ने 'इंडिया एआई' मिशन को लेकर कही बात

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस में 'एआई एक्शन समिट' के दौरान अपने संबोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बहुत सी चीजों को बेहतर बना कर लाखों लोगों के जीवन को बदलने में मदद कर सकता है।

पेरिस के ग्रैंड पैलेस में आयोजित सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा, शासन का मतलब सभी के लिए पहुंच सुनिश्चित करना भी है, खास तौर पर ग्लोबल साउथ में। एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बहुत सी चीजों को बेहतर करके लाखों लोगों के जीवन को बदलने में मदद कर सकता है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'एआई एक ऐसी दुनिया बनाने में मदद कर सकता है जिसमें विकास लक्ष्यों की यात्रा आसान और तेज हो जाए। ऐसा करने के लिए, हमें संसाधनों और प्रतिभाओं को एक साथ लाना होगा। हमें ओपन-सोर्स सिस्टम विकसित करना होगा जो विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ाए। हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त गुणवत्तापूर्ण डाटा सेट बनाना होगा।

पीएम मोदी ने इसके बाद भारत के इंडिया एआई मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि इस समय भारत एआई को अपनाने में दुनिया के कई देशों का नेतृत्व कर रहा है। पीएम मोदी ने भारत में एआई के सकारात्मक इस्तेमाल का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में एआई ऐप को जनता की सेवा करने के लिए डेवलप कर रहे हैं। भारत में एआई के डेटा प्राइवेसी को लेकर भी कई कदम उठाए गए हैं। हमारे पास दुनिया का सबसे बड़ा एआई टैलेंट है। भारत खुद का लार्ज लैंग्वेज मॉडल तैयार कर रहा है। हमारे पास एक यूनीक पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल है, जो संसाधनों को अफोर्डेबल कॉस्ट पर पब्लिक के लिए उपलब्ध कराता है।

प्रधानमंत्री मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता कर रहे हैं। इससे पहले पीएम मोदी सोमवार को पेरिस पहुंचे। ओर्ली एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वह राष्ट्रपति मैक्रों की ओर से आयोजित रात्रिभोज के लिए एलिसी पैलेस रवाना हुए। फ्रांसीसी नेता ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। रात्रिभोज में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। पीएम मोदी ने वेंस को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में उनकी जीत पर बधाई दी। बता दें पीएम मोदी पेरिस से अमेरिका के लिए रवाना होंगे।पीएम मोदी के पेरिस पहुंचने से पहले एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि वह और प्रधानमंत्री मोदी 'तकनीकी संप्रभुता' के लिए प्रयास करेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की तरह हमारा भी दृढ़ विश्वास है कि भारत और फ्रांस दो महान शक्तियां हैं और हमारे बीच विशेष संबंध हैं। हम अमेरिका का सम्मान करते हैं और उसके साथ काम करना चाहते हैं, हम चीन के साथ भी काम करना चाहते हैं, लेकिन किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहते हैं। मैक्रों ने कहा, भारत और फ्रांस अग्रणी हैं लेकिन अमेरिका और चीन हमसे बहुत आगे हैं। हम एआई पर एक साथ काम करना चाहते हैं। पीएम मोदी भी नई टेक्नोलॉजी का फायदा उठाना चाहते हैं। लेकिन वह चाहते हैं कि यह भारत में भी हो।'